Literacy for a Billion

Movie: Anuradha
Year: 1960

Song: Jane Kaise Sapno Mein
Lyricist: Shailendra

जाने कैसे सपनो में
खो बई अँखियाँ
मैं तो हूँ जागी मोरी
सो गई अँखियाँ
जाने कैसे सपनो में
खो बई अँखियाँ
मैं तो हूँ जागी मोरी
सो गई अँखियाँ
अजब दीवानी भई
मोसे अनजानी भई
अजब दीवानी भई
मोसे अनजानी भई

पल में पराई
देखो हो गई अँखियाँ
मैं तो हूँ जागी मोरी
सो गई अँखियाँ
जाने कैसे सपनो में
खो बई अँखियाँ
मैं तो हूँ जागी मोरी
सो गई अँखियाँ
मन उजियारा छाया
जग उजियारा छाया

मन उजियारा छाया
जग उजियारा छाया
जग मग दीप सँजो गई अँखिया
मैं तो हूँ जागी मोरी
सो गई अँखियाँ
जाने कैसे सपनो में
खो बई अँखियाँ
मैं तो हूँ जागी मोरी
सो गई अँखियाँ
कोई मन भा गया
जदुआ चला गया
कोई मन भा गया
जदुआ चला गया
मन के दो मोतिया
पिरो गयी अँखिया
जाने कैसे सपनो में
खो बई अँखियाँ
मैं तो हूँ जागी मोरी
सो गई अँखियाँ
जाने कैसे सपनो में
खो बई अँखियाँ
मैं तो हूँ जागी मोरी
सो गई अँखियाँ

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.